C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'अ'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड – क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

संसार में सबसे बड़ी चीज आनन्द माना गया है। दुनिया में सब जगह जितनी भाग-दौड़ दिखलाई पड़ती है और जितने भी प्रयत्न किए जाते हैं उन सबका अन्तिम उद्देश्य आनन्द की प्राप्ति ही होता है पर अधिकांश लोग यह नहीं समझते कि आनन्द भौतिक पदार्थो से कदापि नहीं मिल सकता। वह तो आत्मा का गुण है और इसलिए उसकी प्राप्ति आध्यात्मिक प्रयत्नों द्वारा ही संभव है।

यदि मनुष्य वास्तव में आत्मिक सुख को खरीदना चाहे तो उसे इसके बदले में उसी के समकक्ष चीज देनी होगी। यदि वास्तव में हम संयम, सहिष्णुता, धैर्य, सहानुभूति और प्रेम को अपने हृदय में उत्पन्न करना चाहें तो हमें इनके बदले में अपनी मनोवृत्तियों की उच्छृंखलता, स्वार्थ, लम्पटता और मानसिक चपलता से विदा लेनी होगी। लोभी मनुष्य का द्रव्य से चाहे कितना ही प्रेम क्यों न हो यदि वह अपने

शारीरिक आराम को चाहता है, तो उसे अपना द्रव्य अवश्य खर्च करना पड़ेगा। इसी भाँति स्वार्थ का त्याग करने में हमें कितना ही कष्ट क्यों न हो, बिना उससे छुटकारा पाये हम आत्मिक उन्नति प्राप्त नहीं कर सकते। धन का सच्चा उपयोग यही है कि उसके द्वारा मनुष्य जाति को अपनी सुख-सुविधा जुटाने में सुविधा हो। वह कृपण, जो लक्ष-लक्षमुद्राओं के रहते भी द्रव्य-प्रेम के कारण आवश्यक सामग्रियों को नहीं जुटाता, निस्संदेह दया का पात्र है। इसी भाँति चैतन्य जगत में जो व्यक्ति अपनी मानसिक वृत्तियों के बदले में सच्चे सुख और शान्ति को प्राप्त करने में हिचकिचाता है वह मूढबुद्धि है। प्रकृति ने मनुष्य के हृदय में क्रोध की सृष्टि इसीलिए की है कि उस पर विजय प्राप्त करके क्षमा कर दी जाय। स्वार्थ के वशीभूत होकर मनुष्य दूसरों की सुख-सामग्री को छीन-छीनकर अपने सुख के लिए एकत्र करता है। दूसरों की उसे जरा भी चिन्ता नहीं रहती। अतएव वह कृपण मनुष्य के सदृश्य अपना द्रव्य अपने ही पास रखना चाहता है परन्तु धर्म का, सिद्धान्त इसके विपरीत है। धर्म चाहता है कि मनुष्य अपने सुख का उपभोग स्वतः भी करे और दूसरे मनुष्यों को सुख देने के लिए भी तत्पर रहे।

1. संसार की सबसे से बड़ी चीज क्या और क्यों हैं?
2. अधिकांश लोग क्या नहीं समझते हैं?
3. धन का उपयोग क्या है?
4. मनुष्य के ह्रदय में क्रोध की सृष्टि क्यों हुई है?
5. मूढबुद्धि कौन है?
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए: [1]

ऊनी, पत्रकार

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए: [1]

अभिनय, उत्तीर्ण

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए: [1]

विख्यात, स्वल्प

घ) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए: [1]

नौवाँ, प्रभुत्व

ड.) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।[2]

- गंगा-यमुना
- अनुरूप

च) निम्नलिखित विग्रहों का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।[2]

- देह रूपी लता
- श्वेत है अंबर (वस्त्र) अर्थात् सरस्वती जी

छ) अर्थ के आधार पर निम्न के वाक्य भेद बताइए : [4]

1. चीनी मीठी होती है।
2. काश मेरे भी पंख होते।
3. कृपया आप सब शांत रहे।
4. अहा! क्या दृश्य है।

ज) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए: [4]

1. मन की मन ही माँझ
2. मानुबंस राकेस कलंकु
3. काँच को करके दिखा देते हैं, वे उज्ज्वल रतन

4. पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक और पूरक पुस्तक]

प्र. 3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: [3×2=6]

सेनापति ने दुःख प्रकट करते हुए कहा,कि कर्तव्य के अनुरोध से मुझे यह मकान गिराना ही होगा। इस पर बालिका ने अपना परिचय बताते हुए कहा कि- “मैं जानती हूँ, कि आप जनरल ‘हे’ हैं। आपकी कन्या मेरी में और मुझ में बहुत प्रेम संबंध था। कई वर्ष पूर्व मेरी मेरे पास बराबर आती थी और मुझे ह्रदय से चाहती थी। उस समय आप भी हमारे यहाँ आते थे और मुझे अपनी पुत्री के ही समान प्यार करते थे। मालूम होता है, कि आप वे सब बातें भूल गए हैं। मेरी की मृत्यु से मैं बहुत दुखी हुई थी; उसकी एक चिट्ठी मेरे पास अब तक है।” यह सुनकर सेनापति के होश उड़ गए। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ, और फिर उस बालिका को भी पहिचाना, और कहा- “अरे यह तो नाना साहब की कन्या मैना है!”

क) उपर्युक्त गद्यांश में किसके मकान को गिराने की बात की जा रही है?

ख) सेनापति के होश क्यों उड़ गए?

ग) मैना ने सेनापति को क्या याद दिलाया?

प्र. 4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. ‘साँवले सपनों की याद’ पाठ में लेखक ने सलीम अली के व्यक्तित्व का जो चित्र खींचा है उसे अपने शब्दों में लिखिए।
2. 'प्रेमचंद के फटे जूते’ पाठ में 'टीले' शब्द का प्रयोग किन संदर्भों को इंगित करने के लिए किया गया होगा?

3. 'हालाँकि उस वक्त मेरा भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी खयाल करना चाहिए था'। - उक्त कथन के अनुसार हमारे आचार-व्यवहार के तरीके वेशभूषा के आधार पर तय होते हैं। आपकी समझ से यह उचित है अथवा अनुचित, विचार व्यक्त करें।
4. लेखिका महादेवी ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?
5. कांजीहौस के अंदर का दृश्य कैसा था?

प्र. 5. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2×3=6]

एक काले माथ वाली चतुर चिड़िया
श्वेत पंखों के झपाटे मार फौरन
टूट पड़ती है भरे जल के हृदय पर
एक उजली चटुल मछली
चोंच पीली में दबाकर
दूर उड़ती है गगन में।
औ यहीं से
भूमि ऊँची है जहाँ से
रेल की पटरी गयी है
ट्रेन का टाइम नहीं है
मैं यहाँ स्वच्छंद हूँ
जाना नहीं है।

1. काले माथे और सफ़ेद पंखों वाली चिड़िया आपकी दृष्टि में किस प्रकार के व्यक्तित्व का प्रतीक हो सकती है?
2. 'टूट पड़ती है भरे जल के हृदय पर' पंक्ति का क्या अर्थ है?
3. 'मैं यहाँ स्वच्छंद हूँ'– पंक्तियों से कवि क्या तात्पर्य है?

प्र. 6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है?
2. कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल क्यों नहीं हुई?
3. आपके विचार से बच्चों को काम पर क्यों नहीं भेजा जाना चाहिए? उन्हें क्या करने के मौके मिलने चाहिए?
4. वैभव की रखवाली-सी, कोकिल बोलो तो!- पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
5. किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कुल से होती है या कर्मों से? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [3×2=6]

1. शंकर जैसे लड़के या उमा जैसी लड़की– समाज को कैसे व्यक्तित्व की जरूरत है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।
2. 'आज माटी वाली बुड्ढे को कोरी रोटियाँ नहीं देगी।'- इस कथन के आधार पर माटी वाली के हृदय के भावों को अपने शब्दों में लिखिए।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए। [10]

- वृक्ष लगाओ देश बचाओ
- बढ़ती जनसंख्या
- किसान

प्र.9. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

1. अपने छोटे भाई को गणतंत्र दिवस का महत्त्व पत्र द्वारा समझाइए।
2. आपके मोहल्ले में जल-आपूर्ति नियमित रुप से नहीं हो रही है जल-संस्थानक के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

प्र. 10. निम्नलिखित किसी एक विषय पर 25-30 शब्दों में संवाद लेखन करें। [5]

1. दो मित्र के मध्य व्यायाम के महत्त्व को लेकर हो रहे संवाद लिखिए।
   ताहिर : कल कहाँ थे विक्रम?
2. ऑफिस में क्लर्क की नौकरी हेतु साक्षात्कार देने आए दो उम्मीदवारों के मध्य संवाद लिखें।

C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'अ'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड – क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

संसार में सबसे बड़ी चीज आनन्द माना गया है। दुनिया में सब जगह जितनी भाग-दौड़ दिखलाई पड़ती है और जितने भी प्रयत्न किए जाते हैं उन सबका अन्तिम उद्देश्य आनन्द की प्राप्ति ही होता है पर अधिकांश लोग यह नहीं समझते कि आनन्द भौतिक पदार्थो से कदापि नहीं मिल सकता। वह तो आत्मा का गुण है और इसलिए उसकी प्राप्ति आध्यात्मिक प्रयत्नों द्वारा ही संभव है।

यदि मनुष्य वास्तव में आत्मिक सुख को खरीदना चाहे तो उसे इसके बदले में उसी के समकक्ष चीज देनी होगी। यदि वास्तव में हम संयम, सहिष्णुता, धैर्य, सहानुभूति और प्रेम को अपने हृदय में उत्पन्न करना चाहें तो हमें इनके बदले में अपनी मनोवृत्तियों की उच्छृंखलता, स्वार्थ, लम्पटता और मानसिक चपलता से विदा लेनी होगी। लोभी मनुष्य का द्रव्य से चाहे कितना ही प्रेम क्यों न हो यदि वह अपने

शारीरिक आराम को चाहता है, तो उसे अपना द्रव्य अवश्य खर्च करना पड़ेगा। इसी भाँति स्वार्थ का त्याग करने में हमें कितना ही कष्ट क्यों न हो, बिना उससे छुटकारा पाये हम आत्मिक उन्नति प्राप्त नहीं कर सकते। धन का सच्चा उपयोग यही है कि उसके द्वारा मनुष्य जाति को अपनी सुख-सुविधा जुटाने में सुविधा हो। वह कृपण, जो लक्ष-लक्षमुद्राओं के रहते भी द्रव्य-प्रेम के कारण आवश्यक सामग्रियों को नहीं जुटाता, निस्संदेह दया का पात्र है। इसी भाँति चैतन्य जगत में जो व्यक्ति अपनी मानसिक वृत्तियों के बदले में सच्चे सुख और शान्ति को प्राप्त करने में हिचकिचाता है वह मूढबुद्धि है। प्रकृति ने मनुष्य के हृदय में क्रोध की सृष्टि इसीलिए की है कि उस पर विजय प्राप्त करके क्षमा कर दी जाय। स्वार्थ के वशीभूत होकर मनुष्य दूसरों की सुख-सामग्री को छीन-छीनकर अपने सुख के लिए एकत्र करता है। दूसरों की उसे जरा भी चिन्ता नहीं रहती। अतएव वह कृपण मनुष्य के सदृश्य अपना द्रव्य अपने ही पास रखना चाहता है परन्तु धर्म का, सिद्धान्त इसके विपरीत है। धर्म चाहता है कि मनुष्य अपने सुख का उपभोग स्वतः भी करे और दूसरे मनुष्यों को सुख देने के लिए भी तत्पर रहे।

1. संसार की सबसे से बड़ी चीज क्या और क्यों हैं?

   उत्तर : संसार में सबसे बड़ी चीज आनन्द है। दुनिया में सब जगह जितनी भाग-दौड़ दिखलाई पड़ती है और जितने भी प्रयत्न किए जाते हैं उन सबका अन्तिम उद्देश्य आनन्द की प्राप्ति ही होता है।

2. अधिकांश लोग क्या नहीं समझते हैं?

   उत्तर : अधिकांश लोग यह नहीं समझते कि आनन्द भौतिक पदार्थो से कदापि नहीं मिल सकता। वह तो आत्मा का गुण है और इसलिए उसकी प्राप्ति आध्यात्मिक प्रयत्नों द्वारा ही संभव है।

3. धन का उपयोग क्या है?

उत्तर : धन का सच्चा उपयोग यही है कि उसके द्वारा मनुष्य जाति को अपनी सुख-सुविधा जुटाने में सुविधा हो।

4. मनुष्य के हृदय में क्रोध की सृष्टि क्यों हुई है?

उत्तर : प्रकृति ने मनुष्य के हृदय में क्रोध की सृष्टि इसीलिए की है कि उस पर विजय प्राप्त करके क्षमा कर दी जाय।

5. मूढ़बुद्धि कौन है?

उत्तर : चैतन्य जगत में जो व्यक्ति अपनी मानसिक वृत्तियों के बदले में सच्चे सुख और शान्ति को प्राप्त करने में हिचकिचाता है वह मूढ़बुद्धि है।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'सच्चा आनंद' है।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए: [1]

ऊनी, पत्रकार

उत्तर : ई, कार

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए: [1]

अभिनय, उत्तीर्ण

उत्तर : अभि, उत्

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए: [1]

विख्यात, स्वल्प

उत्तर : वि+ख्यात, सु+अल्प

घ) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए: [1]

नौवाँ, प्रभुत्व

उत्तर : नौ+वाँ, प्रभु+त्व

ड.) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।[2]

- गंगा-यमुना
- अनुरूप

समस्त पद	विग्रह	समास
गंगा-यमुना	गंगा और यमुना	द्वंद्व समास
अनुरुप	अनु-रुप के योग्य	अव्ययीभाव समास

च) निम्नलिखित विग्रहों का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।[2]

- देह रूपी लता
- श्वेत है अंबर (वस्त्र) अर्थात् सरस्वती जी

विग्रह	समस्त पद	समास
देह रूपी लता	देहलता	कर्मधारय समास
श्वेत है अंबर (वस्त्र) अर्थात् सरस्वती जी	श्वेताम्बर	बहुब्रीहि समास

छ) अर्थ के आधार पर निम्न के वाक्य भेद बताइए : [4]

1. चीनी मीठी होती है।

   उत्तर : विधानार्थक वाक्य

2. काश मेरे भी पंख होते।

   उत्तर : इच्छा वाचक वाक्य

3. कृपया आप सब शांत रहे।

   उत्तर : आज्ञार्थक वाक्य

4. अहा! क्या दृश्य है।

   उत्तर : विस्मयादि बोधक वाक्य

ज) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए: [4]

1. मन की मन ही माँझ

   उत्तर : अनुप्रास अलंकार

2. मानुबंस राकेस कलंकु

   उत्तर : रूपक अलंकार

3. काँच को करके दिखा देते हैं, वे उज्ज्वल रतन

   उत्तर : अतिश्योक्ति अलंकार

4. पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के

   उत्तर : उत्प्रेक्षा अलंकार

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक और पूरक पुस्तक]

प्र. 3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: [3×2=6]

सेनापति ने दुःख प्रकट करते हुए कहा,कि कर्तव्य के अनुरोध से मुझे यह मकान गिराना ही होगा। इस पर बालिका ने अपना परिचय बताते हुए कहा कि- "मैं जानती हूँ, कि आप जनरल 'हे' हैं। आपकी कन्या मेरी में और मुझ में बहुत प्रेम संबंध था। कई वर्ष पूर्व मेरी मेरे पास बराबर आती थी और मुझे ह्रदय से चाहती थी। उस समय आप भी हमारे यहाँ आते थे और मुझे अपनी पुत्री के ही समान प्यार करते थे। मालूम होता है, कि आप वे सब बातें भूल गए हैं। मेरी की मृत्यु से मैं बहुत दुखी हुई थी; उसकी एक चिट्ठी मेरे पास अब तक है।" यह सुनकर सेनापति के होश उड़ गए। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ, और फिर उस बालिका को भी पहिचाना, और कहा- "अरे यह तो नाना साहब की कन्या मैना है!"

क) उपर्युक्त गद्यांश में किसके मकान को गिराने की बात की जा रही है?

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश में नाना साहब के मकान को गिराने की बात की जा रही है।

ख) सेनापति के होश क्यों उड़ गए?

उत्तर : सेनापति को जब यह पता चला कि उनके सामने खड़ी बालिका उनकी मृत पुत्री मेरी सहेली मैना जो कि नाना साहब की कन्या है तब उसके होश उड़ गए।

ग) मैना ने सेनापति को क्या याद दिलाया?

उत्तर : मैना ने सेनापति को यह याद दिलाया कि वह उनकी मृत पुत्री मेरी की अभिन्न सहेली है और साथ ही वे भी उससे पुत्री समान ही व्यवहार करते थे और उनके घर आया-जाया करते थे।

प्र. 4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. 'साँवले सपनों की याद' पाठ में लेखक ने सलीम अली के व्यक्तित्व का जो चित्र खींचा है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

   उत्तर : सलीम अली अनन्य प्रकृति-प्रेमी थे। प्रकृति तथा पक्षियों के प्रति उनके मन में कभी न खत्म होने वाली जिज्ञासा थी। लेखक के शब्दों में, "उन जैसा 'बर्ड-वाचर' शायद कोई हुआ है।" उनका स्वभाव भ्रमणशील था। लम्बी यात्राओं ने उनके शरीर को कमज़ोर कर दिया था। व्यवहार में वे सरल-सीधे और भोले इंसान थे। वे बाहरी चकाचौंध और विशिष्टता से दूर थे।

2. 'प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ में 'टीले' शब्द का प्रयोग किन संदर्भों को इंगित करने के लिए किया गया होगा?

   उत्तर : टीला रास्ते की रुकावट का प्रतीक है। इस पाठ में टीला शब्द सामाजिक कुरीतियों, अन्याय तथा भेदभाव को दर्शाता है क्योंकि यह मानव के सामजिक विकास में बाधाएँ उत्पन्न करता हैं।

3. 'हालाँकि उस वक्त मेरा भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी खयाल करना चाहिए था'। - उक्त कथन के अनुसार हमारे आचार-व्यवहार के तरीके वेशभूषा के आधार पर तय होते हैं। आपकी समझ से यह उचित है अथवा अनुचित, विचार व्यक्त करें।

उत्तर : सामान्यतया लोगों में एक धारणा बन गई है कि पहली बार मिलने वाले व्यक्ति का आकलन उसकी वेशभूषा देखकर किया जाता है। हम अच्छा पहनावा देखकर किसी को अपनाते हैं तो गंदे कपड़े देखकर उसे दुत्कारते हैं। लेखक भिखमंगों के वेश में यात्रा कर रहा था। इसलिए उसे यह अपेक्षा नहीं थी कि शेकर विहार का भिक्षु उसे सम्मानपूर्वक अपनाएगा।

मेरे विचार से वेशभूषा देखकर व्यवहार करना पूरी तरह ठीक नहीं है। अनेक संत-महात्मा और भिक्षु साधारण वस्त्र पहनते हैं किंतु वे उच्च चरित्र के इनसान होते हैं, पूज्य होते हैं। हम पर पहला प्रभाव वेशभूषा के कारण ही पड़ता है। उसी के आधार पर हम भले-बुरे की पहचान करते हैं। परन्तु अच्छी वेशभूषा में कुतिस्त विचारों वाले लोग भी हो सकते हैं। गरीब व्यक्ति भी चरित्र में श्रेष्ठ हो सकता है, वेशभूषा सब कुछ नहीं है। कीचड़ में खिलने पर भी कमल अपनी सुंदरता बनाए रखता है।

4. लेखिका महादेवी ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?

उत्तर : महादेवी की माता अच्छे संस्कार वाली महिला थीं। वे धार्मिक स्वभाव की महिला थीं। वे पूजा-पाठ किया करती थीं। वे ईश्वर में आस्था रखती थीं। सवेरे "कृपानिधान पंछी बन बोले" पद गाती थीं। प्रभाती गाती थीं। शाम को मीरा के पद गाती थीं। वे लिखा भी करती थीं। लेखिका ने अपनी माँ के हिंदी-प्रेम और लेखन-गायन के शौक का वर्णन किया है। उन्हें हिंदी तथा संस्कृत का अच्छा ज्ञान था। इसलिए इन दोनों भाषाओं का प्रभाव महादेवी पर भी पड़ा।

5. कांजीहौस के अंदर का दृश्य कैसा था?

उत्तर : कांजीहौस के अंदर का दृश्य बड़ा ही करुणामय था। वहाँ अनेक भैंसें, बकरियाँ, घोड़े, गधे आदि बंधें हुए थे। पर किसी भी पशु के सामने कोई चारा नहीं था सभी पशु भूख से बेहाल मुर्दों की तरह पड़े हुए थे। कई तो कमजोरी के कारण ठीक से खड़े भी नहीं हो सकते थे।

प्र. 5. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2×3=6]

एक काले माथ वाली चतुर चिड़िया
श्वेत पंखों के झपाटे मार फौरन
टूट पड़ती है भरे जल के हृदय पर
एक उजली चटुल मछली
चोंच पीली में दबाकर
दूर उड़ती है गगन में।
औ यहीं से
भूमि ऊँची है जहाँ से
रेल की पटरी गयी है
ट्रेन का टाइम नहीं है
मैं यहाँ स्वच्छंद हूँ
जाना नहीं है।

1. काले माथे और सफ़ेद पंखों वाली चिड़िया आपकी दृष्टि में किस प्रकार के व्यक्तित्व का प्रतीक हो सकती है?

उत्तर : काले माथे और सफ़ेद पंखों वाली चिड़िया यहाँ पर दोहरे व्यक्तित्व का प्रतीक हो सकती है। ऐसे लोग एक ओर तो समाज के

हितचिंतक बने फिरते हैं और मौका मिलते ही अपना स्वार्थ साध लेते हैं।

2. 'टूट पड़ती है भरे जल के हृदय पर' पंक्ति का क्या अर्थ है?

उत्तर : एक काले सर वाली चालाक चिड़िया अपने सफेद पंखों के झपाटे से जल के हृदय पर तेजी से टूट पड़ती है और एक चतुर मछली को अपने पीले चोंच में दबाकर आसमान में उड़ जाती है।

3. 'मैं यहाँ स्वच्छंद हूँ'– पंक्तियों से कवि क्या तात्पर्य है?

उत्तर : इन पंक्तियों द्वारा कवि यह कहना चाह रहा है कि उसे कहीं जाने की जल्दी नहीं है इसलिए वह उस जगह की सुंदरता को देखने के लिए पूरी तरह स्वच्छंद है।

प्र. 6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है?

उत्तर : कवि ने मेघों में सजीवता लाने के लिए बन ठन की बात की है। जब हम किसी के घर बहुत दिनों के बाद जाते हैं तो बन सँवरकर जाते हैं ठीक उसी प्रकार मेघ भी बहुत दिनों बाद आए हैं क्योंकि उन्हें बनने सँवरने में देर हो गई थी।

2. कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल क्यों नहीं हुई?

उत्तर : कवि को बचपन में माँ ने यह सिखाया था कि दक्षिण दिशा की ओर यमराज का घर होता है अत: वहाँ पर कभी अपने पैर करके नहीं सोना उस तरफ़ पैर रखकर सोना यमराज को नाराज करने के समान है। माँ द्वारा मिली इस सीख के कारण कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल नहीं हुई।

3. आपके विचार से बच्चों को काम पर क्यों नहीं भेजा जाना चाहिए? उन्हें क्या करने के मौके मिलने चाहिए?

उत्तर : मेरे विचार से बच्चों को काम पर इसलिए नहीं भेजा जाना चाहिए क्योंकि बचपन का समय उनके शारीरिक मानसिक और बौद्धिक विकास, खेल-कूद, नई-नई चीजों को सीखना, ज्ञान प्राप्त करना तथा जीवन को भरपूर जीने का समय होता है न कि रोजी-रोटी की चिंता में घुल-घुल कर जीने का समय होता है।

4. वैभव की रखवाली-सी, कोकिल बोलो तो!- पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : मृदुल वैभव की रखवाली-सी से कवि का तात्पर्य कोयल की मीठी सुरीली तथा मोहक आवाज़ से है। आज के इस कष्टमय संसार में कुछ मृदुलता और सरसता बची है तो वह कोयल की आवाज़ में ही बची है। परन्तु जब वह वेदनापूर्ण आवाज़ में चीखती है तो कवि उसकी इस वेदना का कारण जानना चाहता है।

5. किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कुल से होती है या कर्मों से? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर : राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर आदि राजा केवल ऊँचे कुल में जन्म लेने के कारण महान नहीं बने, वे महान बने तो अपने उच्च कर्मों से। इसके विपरीत कबीर, सूर, तुलसी बहुत ही सामान्य घरों में पैदा हुए परन्तु संसार भर में अपने कर्मों के कारण प्रसिद्ध हुए। अतः हम कह सकते है कि व्यक्ति की पहचान ऊँचे कर्मों से होती है, कुल से नहीं।

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [3×2=6]

1. शंकर जैसे लड़के या उमा जैसी लड़की– समाज को कैसे व्यक्तित्व की जरूरत है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

   उत्तर : समाज में आज उमा जैसे व्यक्तित्व, स्पष्टवादिनी तथा उच्च चरित्र वाली लड़की की ही आवश्यकता है। ऐसी लड़कियाँ ही गोपाल प्रसाद जैसे दोहरी मानसिकता रखने वाले, लालची और ढोंगी लोगों को सबक सिखा सकती है। ऐसी लड़कियों से ही समाज और देश प्रगति कर पाएगा जो आत्मविश्वास से भरी तथा निडर हो। इसके विपरीत शंकर जैसे लड़के समाज के लिए निरुपयोगी है। शंकर जैसे व्यक्ति समाज को कोई दिशा नहीं प्रदान कर सकते हैं।

2. 'आज माटी वाली बुड्ढे को कोरी रोटियाँ नहीं देगी।'- इस कथन के आधार पर माटी वाली के ह्रदय के भावों को अपने शब्दों में लिखिए।

   उत्तर : माटीवाली का अपने पति के लिए रोटियाँ बचाकर ले जाना और उसे साग के साथ खिलाना उसके अपने जीवनसाथी के प्रति अटूट प्रेम, समपर्ण तथा निष्ठा के भावों को बताता है। वह अपने पति के स्वाद एवं स्वास्थ्य दोनों के प्रति चिंता करती है। वह हर हाल में बूढ़े को खुश देखना चाहती है। उसे बूढ़े के प्रति दया, वात्सल्य और सहानुभूति है।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए। [10]

वृक्ष लगाओ देश बचाओ

भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुसार पेड़ को देवता मानकर उनकी पूजा की जाती है। यह हमारे जीवन का आवश्यक अंग है। वृक्ष के बिना हम भी अधिक समय तक अपने अस्तित्व को जिंदा नहीं रख सकते। वन वातावरण में से कार्बन डाईऑक्साइड को कम करते हैं। वातावरण को शुद्ध बनाते हैं। बहुमूल्य ऑक्सीजन देते हैं। पेड़ हमें भोजन, घरों के निर्माण और फर्नीचर बनाने के लिए हमें लकड़ी प्रदान करते हैं। वे हमें ईंधन के लिए लकड़ी उपलब्ध कराते हैं। हमें विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियाँ देते हैं। बढ़ती आबादी, शहरीकरण के कारण हरियाली तेजी से कम हो रही है। जितनी तेज़ी से हम इनकी कटाई कर रहे हैं, उतनी तेज़ी से ही हम अपनी जड़ें भी काट रहे हैं। वृक्षों के कटाव के कारण आज भयंकर स्थिति उत्पन्न हो गई है। पेड़ों का क्रूर वध हमारे विनाश में सहायक होगा। रेगिस्तान का विस्तार होगा, नदियाँ सूख जाएगी, पानी की कमी होगी, भूमि बंजर हो जाएगी, प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाएगा। हमारा अस्तित्व उन पर निर्भर करता है इसलिए हमें पेड़ों की रक्षा करनी होगी। पर्यावरण की समस्याओं का एकमात्र समाधान पेड़ों की सुरक्षा है। सरकार ने जनमानस को जागृत करने के लिए 1950 में वन महोत्सव कार्यक्रम आरंभ किया।

पर्यावरण को बचाने के लिए यह हमारे जागने का वक्त है। सिर्फ जागने का ही नहीं, कुछ करने का भी। इसके लिए जरूरी है कि हम पेड़ लगाएँ। विनोबा भावे ने हर व्यक्ति को एक पेड़ लगाना चाहिए यह संदेश दिया है। प्रत्येक

व्यक्ति को यह समझना होगा कि वन ही जीवन है, इस वन-जीवन से हम प्यार करें और वृक्षों को लगाकर इसकी रक्षा करे।

बढ़ती जनसंख्या

बढ़ती हुई जनसंख्या हमारे देश में एक विकराल रूप लेती जा रही है। किसी जी देश की जनसंख्या यदि उस देश के संसाधनों की तुलना में अधिक हो जाती है तो वह देश पर अनचाहा बोझ बन जाती है। जनसंख्या बढ़ने से जीवन की प्राथमिक आवश्यकताएँ - भोजन, वस्त्र और मकान भी पूरे नहीं पड़ते।

बढ़ती हुई जनसंख्या किस तरह से संसाधनों को निगलती जा रही है इसका सबसे बड़ा उदाहरण है बढ़ती हुई महँगाई। बढ़ती जनता को रोजगार देने के लिए, जंगलों को खत्म करने के बाद बढता औद्योगिकीकरण अब हमारे गाँव में पैर पसार रहा है! फलस्वरूप कम्पनियों की फैक्ट्रियों अब गाँव की शुद्ध जलवायु में जहर घोल रही है वहाँ की उपजाऊ जमीन पर बसी फैक्ट्री अब गेहूँ के दाने नहीं वो काँच के गोलियाँ पैदा कर रही है! आबादी बढ़ने से स्थिति और भी अधिक भयावह हो जाएगी, तब जलापूर्ति, आवास, परिवहन, गंदे पानी का निकास, बेरोजगारी का अतिरिक्त भार, महँगाई, बिजली जैसी आधारभूत संरचना पर अत्यधिक दबाव पड़ता नजर आएगा।

सरकार को चाहिए कि वो कुछ गंभीर और सख्त नियम बनाए। जिससे जनसंख्या नियंत्रित की जा सके। आज जनसंख्या के मामले मे राष्ट्र को सही शिक्षा देने की सबसे ज्यादा जरूरत है क्योंकि शिक्षा, राष्ट्र की सबसे सस्ती सुरक्षा मानी जाती रही है। जन जागरण अभियान, पुरुष नसबंदी, गर्भ निरोधक गोलियाँ, देर से विवाह जनसंख्या को रोकने के उपाय हैं।

किसान

किसान हर देश का आधार स्तंभ होते हैं। त्याग और तपस्या का दूसरा नाम है- 'किसान। किसान पर ही देश की आर्थिक व्यवस्था टिकी होती है। विश्व का समस्त आनन्द, ऐश्वर्य और वैभव उनके कारण ही हम सब भोग पाते हैं। एक देश के प्रत्येक व्यक्ति का जीवन किसानों पर निर्भर करता है।

किसान सेवा, त्याग व परिश्रम की सजीव मूर्ति हैं। किसान सरलता, शारीरिक दुर्बलता, सादगी एवं गरीबी उनके सात्विक जीवन को प्रकट करती है। किसान स्वयं न खाकर दूसरों को खिलाते हैं। किसान स्वयं न पहनकर संसार की ज़रूरतों को पूरा करते हैं। परन्तु किसान खुद अपनी जमीन के मालिक नहीं हैं, इसके कारण उन्हें हर तरह के शोषण का सामना करना पड़ता है।

साहूकारों के हाथों का खिलौना बनना किसानों की मजबूरी है। किसान यदि ट्रैक्टर, जनरेटर, खरीदने, पशु खरीदने या किसी अन्य वजहों से बैंकों से कर्ज लेना चाहे तो उसके लिए इतनी लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है कि किसानों को साहूकारों से अधिक सूद अदा करने की कीमत पर कर्ज लेना ज्यादा मुनासिब लगता है।

किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह जरूरी है कि गाँवों में बुनियादी सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएँ। गाँवों में बिजली पहुँचे, सड़क बने, सिंचाई की सुविधाएँ बढ़ें तो किसानों को खेती करना आसान रहेगा। किसान समाज का सच्चा हितैषी है। यदि वह सुखी है, तो पूरा देश सुखी बन सकता है क्योंकि किसानों की खुशहाली उन्नति व समृद्धि में पूरे देश की समृद्ध, उन्नति, खुशहाली छिपी है।

प्र.9. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

1. अपने छोटे भाई को गणतंत्र दिवस का महत्त्व पत्र द्वारा समझाइए।

निर्मला भवन

सरला नगर

राजापुर

दिनाँक: 2 जनवरी 20xx

प्रिय सागर

सस्नेह

तुम्हारा पत्र मिला। यहाँ सब ठीक है, आशा है तुम वहाँ सकुशल होगे। पत्र में तुम गणतंत्र दिवस के बारे में जानना चाहते थे और यह बहुत खुशी की बात है।

हमारा देश 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र हुआ। स्वतंत्र होने से पहले देश के नागरिक 26 जनवरी को स्वतंत्रता प्राप्त करने की प्रतिज्ञा लिया करते थे। 26 जनवरी, 1950 को हमारे देश ने एक संविधान स्वीकार किया है। इसी कारण यह दिवस राष्ट्रीय पर्व के रुप में मनाया जाता है। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को कुछ अधिकार दिए हैं। इसके साथ कुछ उत्तरदायित्व भी सौपें हैं। इन्हें हम संविधानिक उत्तरदायित्व कहते है। जैसे कानून का पालन करना, राष्ट्रीय धरोहर की देखभाल करना, सार्वजनिक स्थान पर अनुशासन बनाए रखना भी हमारी जिम्मेदारी है।

आशा है, तुम गणतंत्र दिवस और अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से समझ गए होगे। अपना ख्याल रखना और पत्र लिखते रहना।

तुम्हारी बहन

सीमा

2. आपके मोहल्ले में जल-आपूर्ति नियमित रुप से नहीं हो रही है जल-संस्थानक के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

सेवा में

मुख्य अधिकारी

जल संस्थान

दिल्ली।

दिनाँक: 5 फरवरी, 20 xx

विषय : जल-आपूर्ति नियमित करवाने हेतु आवेदन पत्र।

महोदय

सविनय निवेदन है कि मैं रामकृष्ण नगर का निवासी हूँ। मेरी कॉलोनी में चार दिनों से पानी बहुत कम आ रहा है। जो थोड़ा-सा जल आता भी है, उसकी स्थिति यह है कि पीने लायक नहीं होता।

जल व्यवस्था एक आवश्यक सेवा है। आशा है कि आप इस समस्या पर गौर करेंगे और शीध्र ही आवश्यक कार्यवाही द्वारा कॉलोनी में नियमित, पर्याप्त एवं शुद्ध जल की पूर्ति की व्यवस्था करवाओंगे। धन्यवाद

भवदीय

प्रफुल्ल कुमार

प्र. 10. निम्नलिखित किसी एक विषय पर 25-30 शब्दों में संवाद लेखन करें। [5]

1. दो मित्र के मध्य व्यायाम के महत्त्व को लेकर हो रहे संवाद लिखिए।

ताहिर : कल कहाँ थे विक्रम?

विक्रम : घर पर ही था, तबियत ठीक नहीं थी।

ताहिर : क्या हुआ था? डॉक्टर को दिखाया?

विक्रम : नहीं डॉक्टर को नहीं दिखाया। वैसे कुछ खास नहीं पर क्या बताऊँ कुछ दिनों से थकान और बार-बार सिरदर्द रहता है।

ताहिर : तुम्हें व्यायाम की आवश्यकता है। दिनभर ऑफिस में बैठने से भी ऐसी समस्याएँ होती है।

विक्रम : मुझे नहीं पसंद व्यायाम करना।

ताहिर : नहीं मित्र, व्यायाम से तुम्हारे शरीर में स्फूर्ति आएगी और बीमारियाँ दूर भागेगी।

विक्रम : बड़ी आलस आती है।

ताहिर : ज्यादा नहीं तो सुबह में आधा घंटा चला करो और कुछ हलकी सी कसरत कर लिया करो। मैं तो रोज सुबह चलने जाता हूँ।

विक्रम : अच्छा! तो कल से मैं भी तुम्हारे साथ आऊँगा।

ताहिर : यह हुई न बात।

विक्रम : कल सुबह मिलते है।

2. ऑफिस में क्लर्क की नौकरी हेतु साक्षात्कार देने आए दो उम्मीदवारों के मध्य संवाद लिखें।

निखिल : नमस्ते!

राहुल : नमस्ते!

निखिल : आप भी साक्षात्कार हेतु आए हैं।

राहुल : जी हाँ।

निखिल : बहुत ज्यादा उम्मीदवार आए है ना?

राहुल : जी, यह हाल तो हर जगह है।

निखिल : हाँ, मैं अब तक चार साक्षात्कार के लिए जा चूका हूँ। एक पद के लिए बीस-तीस उम्मीदवार तो रहते ही है।

राहुल : इसीलिए बेरोजगारी बढ़ रही है।

निखिल : सरकार को और अधिक रोजगार योजना बनानी होगी।

राहुल : सरकार भी क्या करें! उनकी योजनाएँ बढ़ती आबादी के सामने दम तोड़ देती है।

निखिल : सही कह रहे है।

राहुल : चलो मैं चलता हूँ। मेरा नंबर आ गया।